B.Com Part — II

(1)

Planning and Economic Development

Economic Planning - आर्थिक नियोजन

Q:— आर्थिक नियोजन की परिभाषा दीजिए। आर्थिक नियोजन का क्या उद्देश्य है।

Ans — आर्थिक नियोजन से आशय है कि एक निर्धारित अवधि में संसाधनों का बेहतर उपयोग करके, विभिन्न क्षेत्रों विशेषकर अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

आर्थिक जीवन का मूल उद्देश्य मानव की संतुष्टि है जो मूलरूप से असीमित है। किसी भी आधुनिक समाज की सभी आर्थिक गतिविधियों को सीमित संसाधनों के साथ मानवीय जरूरतों को पूरा करने की दिशा में निर्देशित किया जाता है।

आर्थिक नियोजन की परिभाषा —

आर्थिक नियोजन की प्रमुख विद्वानों द्वारा परिभाषा दी गई है —

डा० डालटन के अनुसार — "व्यापक अर्थ में आर्थिक नियोजन विशाल साधनों के संरक्षणों द्वारा निश्चित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आर्थिक क्रियाओं का सचेत निर्देशन है।"

प्रो० एस० ई० हैरिस के शब्दों में, "नियोजन से अभिप्राय आय तथा मूल्य के सन्दर्भ में नियोजन अधिकारी द्वारा निश्चित किये गये उद्देश्यों तथा ~~[illegible]~~ लक्ष्यों के लिए साधन का आवंटन मात्र है।

प्रो० मोरिस डाब के अनुसार, "नियोजन आर्थिक निर्णयों को समन्वित करने की प्रक्रिया है। नियोजन एक ऐसी विधि है जिससे सभी तथा स्वतंत्र इकाइयां अथवा अंग एक साथ समायोजित हो सके।"

भारतीय नियोजन आयोग (Indian Planning Commission) के अनुसार — "आर्थिक नियोजन आवश्यक रूप से सामाजिक उद्देश्यों के अनुरूप साधनों के अधिकतम लाभ हेतु संगठित एवं उपयोग करने का मार्ग है।"

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आर्थिक नियोजन का अर्थ एक संगठित आर्थिक प्रयास से है जिसमें एक निश्चित अवधि में सुनिश्चित एवं सुपरिभाषित सामाजिक एवं आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आर्थिक साधनों का विवेकपूर्ण ढंग से समन्वय एवं नियंत्रण किया जाता है।"

आर्थिक नियोजन के उद्देश्य

आर्थिक नियोजन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं —

(1) **आर्थिक संसाधनों का उपयोग** — आर्थिक नियोजन के माध्यम से देश के संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग कर उत्पादन, आय तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना होता है।

(2) **आय निर्योता हासिल करना** — आर्थिक नियोजन के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में आय तथा सम्पत्ति के असमान वितरण को कम करना होता है। जिससे सभी लोग आत्म निर्भर हो सके।

(3) **बेरोजगारी का उन्मूलन** — आर्थिक नियोजन का उद्देश्य देश के अधिक से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करना होता है ताकि बेरोजगारी को समाप्त किया जा सके।

(4) गरीबी और आय की असमानता में कमी लाना — नियोजन का उद्देश्य अमीर तथा गरीब के अन्तर को कम करना होता है। नियोजन के माध्यम से सबको समान अवसर देने का प्रयास किया जाता है।

(5) रोजगार का सृजन करना — नियोजन का उद्देश्य अधिक से अधिक रोजगार का सृजन करना होता है ताकि देश की सारी जनसंख्या को रोजगार प्राप्त हो सके।

(6) शोषण एवं भयमुक्त समाज की स्थापना — आर्थिक नियोजन का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना होता है कि लोग बिना शोषण एवं भयमुक्त होकर कार्य कर सके।

(7) देश में एकता एवं अखंडता पर आधारित विकास — नियोजन का उद्देश्य ऐसा होना चाहिए कि देश में एकता एवं अखंडता बनी रहे।

x ——— x ——— x

Dr. Raj Kumar Prasad
Associate Professor
Deptt. of Commerce
Shershah College,
SASARAM